

[illegible]

॥ २३ ॥

॥ श्री ० ॥

न विष्णोर्भक्तित्वं दत्तं ॥ ५ ॥ दशपूजायाय हस्तं दत्तं लोकपू
जायाय दानं सुदुर्लभं पूजायाय उपकारं लब्धं नानुपूर्व्यं
याय वंदनं नैवेद्यं प्रकाशं पूजायाय हस्तं ॥ ० ॥ धर्मसं
वत्तायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः ॥ १ ॥
४ ॥ १ ॥ धर्मसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः ॥ २ ॥
४ ॥ १ ॥ धर्मसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः सर्वसंज्ञायाय नमः ॥ ३ ॥

[illegible]

॥ १ ॥ ग ॥

॥ वा ० ॥

संपत्तिः तपसावस्य अपास्ययाय रगिश्च तपयारुत्तमश्च ० ॥
वासयेवचत्र धर्म्ममनिर्णयस्तु जीवितं ॥ रुत्ता नामपि पक्का नीध
श्च तपन नीरुत्तम ॥ १ ॥ वासये निर्धर्म्मयाय मास पानधया २
गुनिश्चयनं ॥ निर्धर्म्मस्तु सुयो तादसि धीनना ॥ नैहामि ॥ ३ ॥
तेन धर्म्मयाय गुनना न मास ॥ ० ॥ सुदे रथरु गो धर्म्म कीरुने
वरुत्तमप ॥ अष्टदे वरु नैहानि पु मादच नैधर्म्म गीरु ॥ ३ ॥ गुमान

तथा न धर्म्म दावर्त्तु ॥ अहं का वन गप दावर्त्तु ॥ काउमरु ॥ अन हान दावर्त्तु
लं वागन भर्म्म दावर्त्तु ॥ ० ॥ अदि फर्म्म हाना हाना ॥ क मसाधिका
॥ उपक्रिया हाना ॥ अर्थ पाक कि साहगा ॥ १ ॥ मिम धर्म्म साहगा
वर्त्तु ॥ साकि मय साहगा ॥ अन्न दाव वगही दान कासी ॥ विया कन्या ॥ दा
व ॥ धी का वलन पाक या नाका दावर्त्तु ॥ ० ॥ दा विदा या विद ॥ ४ ॥
तिर्वधनी यम ना निव ॥ वेदे रुचु मना निगसा दानं विनिष्ठा ॥ ५ ॥

॥ १८ ॥
॥ १८ ॥

कैमवश्यं नगीरुयु ३४वीरुयु नाना कश्युयु दयवि।युयु
५ नमकना दानप्रीत्यमयादायारु ५ ननदान पु ५ ययायमानरुत्त
॥ ० ॥ पुत्रका २०२ वधाव्यपुपुयु ३० वज्रनुष ॥ गदसकमनधाय २०
यवधर्म। वंदिः कगा। ६ ६ ॥ ग ॥ २ सन ॥ धर्मम ॥ न ॥ ३ ॥ २ ॥ १ ॥
भयग ॥ ध ॥ स ॥ स ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
वा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥

॥ ३५ ॥
॥ ० ॥

वीररूपनकार्यसिंहदकविधायन ॥ २२ ॥ न आधुनका रुद्रसी विवि
धदुष्टादुत्तरी यत्न मनःपमनी आनयया स्याय ॥ २३ ॥ आख्य नैषकावः
न आर्वीर्याया ॥ २४ ॥ सिंहया केन लाय धासी ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ दियानिहसं
यम्य वक वसुधु नानय ॥ कार्यका सो पपनाने सर्वकार्यो निमाधय
॥ २३ ॥ पौन ० ॥ दियौय का रुक गया ॥ वाश संधी पौन रुयो ॥ वा
सका ससया ॥ आयाय ॥ प ॥ अकान सिधु ना स ० ॥ दिय का रुक मान ॥ ५

३५

अका सिधु ना स स म्मात् ॥ ५ ॥ गुन कृणा वाश सया रुद्रसी ॥ ० ॥ ॥ पागुस्य
न वरुह वं सी विलागी व वं धसू ॥ मिय मा क म्य शु की न सिधौ व वा वि
क कू गा रुवा र्शु वा स ॥ पनापी दन सुक ॥ अ उ गि ना वय याय नय व ने
स ० ॥ ना शी नय पासा रु ० ॥ उ हिरु न मि सा या ग क म र्श काय ॥ ५ ॥
पोगा गुल का ख या के स ने ॥ ० ॥ ॥ गुरु मे प न व रु रु का स वा स
य स ग रु म अप मा दी सु ध रु य सिधौ व वा य सा गु ॥ २५ ॥ काम

॥ ४५ ॥
॥ वा ० ॥

सुहृदाव मद्रासा थपनीक प्रथामन रु माय थ गननिसु सुधायः
॥ ० ॥ अ न वीरु मन्त्राणि इवला सेववाधवा ॥ का न वासुथः
रुगथ काय का सुपुति सुति ॥ ५ ॥ वना न व सुहा आ सान गापा सेः
कादपा सागा ॥ अ न म नो सु गयार्थ रुका सीम शं दु सु क स य गुः
रुसी थ गन वा थ भय ॥ ० ॥ प्र हा व व न सी न स्य क र्म ही न थ यान
व ॥ नि व थ थ ग न ना ग स्य रु मा गा रु रु थो र्य थ ॥ ५ ॥ र्म म सु अ क

या रुत क र्म म इ मा न न थ थ निती वार्थ रुयु आ थ मि रु न रु ल पा कार्य
वार्थ रुयु आ ना रु म व क न लू ण थ सि गि क नै रु यु आ रु ला ॥ ० ॥ का ग
रु र्म थ पि रु मा द म्प ॥ ४ क रु रु थ ॥ व ला वा नि रु र्म या नि प्र रा ते भ ध
दे व व ४ ॥ ग रु ॥ वा व स ला क अ पि पि नि पि उ नि म ति प ला क र्म थ जा
मु आ अ सु पा व थ न थ गी नि रु ल धाय थ गि या म हि म इ वार्थ रु र्म ॥ ० ॥
नि रु सा क प न सु वा नि रु ला व गि ना रु व ना दा प्र सी रु क र्म ल ला रु नि वि

॥ ४ ॥
॥ वा ० ॥

॥ वा ० ॥

पुस्य निरुत्साह ॥ ३० ॥ नृपद वि कि भद्र कृपणीया कया ॥
शुद्धी काम सन्निभु कया क सवा शखन इ मया क सवा ॥ सुमसं अवीक
नया क सवा ॥ अपनि स स सवा या छानि निरुत्साह रुयु ॥ ० ॥ वल्लय कलः
जीया हं विव पाम पि क न्य का ॥ नृपस्विनी ननी वे उ वे वा क सव सव सवा ॥
व ॥ हानी मन विवाह या य रुलं थ अ सुमान म रिठ क लु म रुना इ अ म
मा लु वान ला क सी नी न गानी अ वा हा या य म रु अ वान म ला क सी थ अ जा

नीमा ल ॥ ० ॥ विषाद पम नं य अक्रम म आद पि का वनी ॥ नी वा द प्प रु मी
विशं शिव लं इ लु वा द पि ॥ ३२ ॥ अ म न न नु क या न वि स स वी द स कि
य मा लु गे व लु व लु क ना ल स वी द स का य गो ग्ध सु विद्या अ या गु क ज्ञात
सु वी द स का य मा लु शिव ल यो ग ॥ इ ॥ ख न ला य मा ल ॥ ० ॥ क स्य दार्वः
क ल ना सि या धि ना क न पी दि त ॥ क न त स्य स र्न य फं शि वं क स्य नि वं न
वी ॥ ३३ ॥ सु या क स द ख म द य न गी म रु अ सु इ थ थो द इ ॥ ख क न ला

समध्व जाद्र वि० अयाः उमनाग जाधरु मिसामध्व सपतिवनाग जाधरुः
 मेनूय मध्ववाजाग जाधरु दे सुमध्वथमवादाग जाधरु रुसा ॥ ० ॥ पूरु
 पोगसमाकीर्ण दासीदाससमाकृत् ॥ लार्थ विरहिर्गैर्पुसां यथा वल्यं गथा ॥ ४८
 गुरु ॥ ५६ ॥ ग्यक्रमनूय याकायमवाक्यमवादनसीत्रेत्तुत्वागिंदयाअ
 वादसां श्रीमदनदा अगथावन अथाथ क्रयाक्षेकुरुं अर्पुनरुयानका ॥ ०
 ॥ सव स्वभववत्तनां मिथावत्तमनूरुव ॥ नसाहृदयनिवगागीवश्या

धननकिं ॥ ७७ ॥ थसंसावसुदक वत्तयामध्व मीन वृत्तीन अ०
 थ मीन थ थोदवत्तनालगा अमवना धनरुयाय ॥ ८ ॥ कृष्ठीहृदिकृष्ट
 वानिकृपूणाहृन्तकृत् ॥ कृमकीहृन्तनवागवाक्य वा न लहृन्तगं ॥ १० ॥
 कृवत्तिगुमिसानकृष्टवैरुनकेसकृपुमवानकृत्तनास्यार्ग मलीहृत्त
 मीनीनवागवाक्य कृत्तवा वक्षयस्वत्तना नव शवा सुयार्ग ॥ ० ॥ मिनीदा
 षसुहृत्तानि गुणनिशीनिवर्तनरागृहावावत्तना नृनिस्त्रुलपनिनास
 मीन

॥ ४८ ॥
॥ वा ० ॥

हृ॥ ॥ ५ ॥ श्रीपिनिदाखदसंदलदुःखलरुलंखनामायकृद्वधालसा
होनावरीनकगु. कायमूवावयकउ॥ ५ ॥ अस्मामीअनापपानगोलनगुरु
ल॥ ० ॥ कवयः किन्नपथकि किन्नरुद्वनिवायसाक्षापमदा किन्न
कर्वकि किन्नवस्मगिमयपा॥ ११ ॥ पप्रिठकवीपि सनभेकृगम
तवठ कोखनरुमनअवधयंरुअपनीसनरुगमयाकथनकाअपिस
नरुगमकाअ सुकवीधाअ॥ ० ॥ पृथपथाऊनीरायीपृथपिउष

४८

थाऊनीरुहिनपुथाऊनीमिर्गसर्वमात्मपुथाऊनी॥ १३ ॥ श्रीरुलंजगया
निमिरुनीनपृथरुलं पिउयानिमिरुनी न मिगुरुलंदिनयानिमिरुनी न भव
नासकनीथअ॥ निमिरुनीनरुलं॥ ० ॥ समुद्रावननारुमि॥ पाकावाक
नंरुहं॥ नवेखावननदभाप्रविशावननमृमिय॥ १४ ॥ रुमीरुलंसमः
दुलदुर्मेवाकुरु सुपविखावनलदुर्मेवाकुरु दसुसवागाननाकपूलेमिसागर
लंवविशुननाकपूलेथगम्वरावरुलं॥ ० ॥ नंगरुहानिनवाधनिनपा

॥ अ ० ॥

॥ वा ० ॥

॥ ० ॥ श्री ठ म नै प्र स र्ग नि शर्या व ग ग को व नी ॥ व ल प्र स्या ग न मूर् व म
मै न ग ८ ह मा ग नै ग न ले ॥ पू ज न उ अ नः पू ज न म क ला न ह थ व न म्मा न काः
अ अ म्म सि पा ८ ८ स ॥ ८ गु स न सा म्मा ध न प्र म क्क धायः प क्क धायः ॥ ० ॥
सं श्री सु क्क न ही नै न क्क तु ही न स व स व गी ॥ अ पा थ व म नै ना वी गि नो व र्ध नि
वा सु व ८ ॥ ८ ॥ ल क्क न म र थ स ॥ ८ क्क तु श्री ही न क्क तु स वा ८ स व स व गीः
वि श्या क्क ज न स ॥ ८ क्क मि सा प र्व न स ॥ अ म्म ८ ८ थ न स्व र म ल क र स ॥

॥ अ ० ॥

॥ ० ॥ य स्य रा र्या वि नू पा श्री क स्य वी क ल ह प्रिया ॥ उ रु वा रु व वा दी व
सा रु वा न रु व वा ज वा ॥ ८ ८ ॥ ग व क्क म नू य या र्को वा न म न्ना क धो दी रु स ल य
य नः ग वा प स वा प्र या य हा अ थ म्म ८ ८ डि पी धाय गी श्री श्री म्म ८ ८ धि धाय म
रु ॥ ० ॥ य स्य रा र्या स्व नू पा व र रु व म म्म मि नी ॥ नि ल्प म ध व र रु व
सा प्रिया न प्रिया प्रिया ॥ ८ ८ ॥ ग व क्क म नू य या क ला न ग्मी सु म्म वी रु स थः
अ म्म ८ ८ या न वा क्क व र्दी ला क द का श्य क ज ना प नि श्य उ वा क्क व न न्ना क्क ॥

॥ अ २ ॥
॥ वा ० ॥

धम्ममी लकी धाय लकी लकी मरव ॥ ० ॥ यस्य गार्गा गृहनिर्णयः
नीवपविगर्हनिगं ससीदै निगमगानि पविनीवेहि मागम ॥ ६३ ॥
स्य मम नृणां यान्ती निर्णयः सुखि चान उदा धा लय ली ॥ अ क्रिया भवेत्
क्रिदि क्रिया गदा अ अनी अ गये ना चिक्रु सानपी दा अ गु पस्य सान धी हिन
इयू अ ॥ ० ॥ यस्य गृहपूरार्था वमा ते व हि गका विनो रावर्ह के न स्य ग
गानि ॥ ३ ॥ कपक यथा प्रसि ॥ ४ ॥ य मम नृणां यान्ती क स क स गन मा म नृ

ॐ २

॥ ४३ ॥ विद्या ध्याय स सा वी पा व ड न उ ना म ख वृ ध का ग य म ते स
बल पा व ड न म द ग अ न गै ॥ अ म स वृ प द ग म नी नृ न म न अ पा व क स
न लि ड ग म य क पु यी ड न ॥ ० ॥ ॥ ग म ड स ट म प क ने पि शि त सो नि व
थ क ॥ वा सु दे व न म स्य नि व सु दे व न मां रु ना ॥ ४ ॥ म गु ली का पि
रु का सु क रि नै प ड या य ड का य दै व ध य म इ व व ली ना अ का यः
पु ड या नै ग व म व सु दे व या का य वा सु दे व या द की ला क नै न म स्का व

यान् ॥ ० ॥ गुणः कूर्चस्पर्श इव पिव सतां सतां कनकीर्ण धारा
 धारा स्वर्ग गच्छति प्रयादा ॥ ४५ ॥ गुणतनता स्वाद सौ सपतिकर्था दक
 स्रुतिवपिनिमृदा ॐ ॐ ॐ ॐ कनकिस्नानया वासना नगाया ॐ दका
 मत्रपनिमृद ॐ ॐ ॐ ॐ नीका याथास स्वाकसकस्य ॐ ॐ ॐ ॐ वा
 विद्यात्वं वनपत्वं वनहिंस्रपत्वं वनमृदमृदुतिना वाङ्मयि
 सर्वगपुष्पनी ॥ ४६ ॥ विद्याया एव जीवा आया एव जीवदा वनमृदहि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ सर्वकामवपनि सनवृक्षायाय ॥ २ ॥ कामो रुया
 ॐ जय ॐ ॥ ३ ॥ वक्रधरार्थवानिष्ट विद्यार्थविवर्धन ॥ ४ ॥ अठकालमपराधी
 मानार्थोत्पन्नो विवर्धन ॥ ५ ॥ १६ ॥ धनं ॐ कायाकमानं वनरुसंशितं विद्या ॐ
 कायाकमानं श्रुदीकमानं संशितं ॐ कायाकमानं अठकालमपराधी
 न ॐ कायाकमानं वासाय कंबुजं ॥ १७ ॥ ॥ सूर्यपद्मदलाकारं वाक्पद्मं
 भोगलं ॥ १८ ॥ दयकरि संशुक्तिविधं धूलिकुण्डं ॥ १९ ॥ ॥ खालं धूलं सायं तत्त्वा

॥ ३ ॥

॥ वा ० ॥

४५६॥ लिखन्वाकसलन वादृष्टकनकायथा ॥ ३० ॥ मूर्खधायाम्भः हि
नर्कगालगमालः सागनिपागनव शिपसु ववनस्वरूपगुणलनकयका अविष्ट
अगधमाः सिद्धासः कथनक अर्थः यो शिवाय अ ॥ ० ॥ सर्प ४ कुब ४ खन ४
कुब ४ सर्पा कुब गव ४ खल ४ ॥ मन्त्रोषधिवसा सर्प खन के नाप भन्यति ॥ ३१ ॥
सर्प धायाम्भः कः वधुव मूर्ख धायाम्भः कः सर्प या निन वधु स कक गायः
धालसा सर्प याग मलु खनप आसलन वस्य पायमि अ श्रधानक याग कर्तम

३५

॥ ३१ ॥ ० ॥ इति हस्तसहस्रेण सगहस्तनवातिने ॥ ४१ गिनादसहस्रेणः ॥
दसहस्रागनाइना ॥ ३३ ॥ किसि अवाल कि १००० कृपागक वीन सलस अम
त कि १०० कृपागक वीने दगाहा अ ॥ अगाहा अ ॥ लस सिगाहा अ ॥ थपनी अ ॥
मि कृपागक वीने इज्जत अ दस सहस्र गालगमाल ॥ ० ॥ अस्ति नो क भहः
सनक साह स्तिनवातिना ॥ ४१ गीलुदद सन अमह सन इरुना ॥ ३४ ॥ कि
सियाग अ क स मा ने सहायाग वापनी मा भदल सि ॥ अगाहापनी स अथ कः

निमधर्पि गले ॥ सर्गकाने वखरु व-कू-कु-स्योर्गन विग्रह ॥ ३७ ॥ या न्या के
 गा ३० दा खड-सिया मिरवाया के का ६० दा घड-कान खल या के संग द्विगा १०० दा
 प्रइखा वया के दोष या था हामड-थगे सिय मोल ॥ ० ॥ सान कूत इहा वाः
 वमिठ खह व विस्मय गु-दिखा सम सम य का से विना सम य ग क गि ॥ ३८ ॥
 अउ स व स म ड क व न स म गी ६-आ ख म गी द क-थ धी द क मि ग या के स र
 व गाल ग मोल-थ अना व वि खा स या ग सा न नाने ना न रु रु ॥ ० ॥ मड न

वम इह निम इनाह नि दा व नी ॥ ना सा अ म ड ना कि भि न सा ही द न य म
 ३॥ ४० ॥ नायू अ व रु क न नायू डी क के भा न क रु य अ नायू डी गु व रु क
 न कू न म म या क-थ ग न नायू डी गु व रु क-गु नी न क के अ नी न डी रु ली ॥ ० ॥
 व न प रु लि गो व द्धि द ह मू ला नि व रु नि ॥ समू ल मू मू ल य नि सा पा द
 म ड सी ग ली ॥ ४१ ॥ व न स कू डी अ गु मि न द क रु मू या क न डी-अ थ २ द ह रु क
 ल द ली ख या समू रु आ या अ सि मा घा व या हा ना य लो न रु वी क-थ ग न अ नी वी ॥

॥ ३ ॥
॥ वा ० ॥

गल ॥ नाय अंगुली स्वच्छा कक्ष ॥ ० ॥ सुवनामावली वर्द्ध ४ कन्याववद्
राशि विनि ॥ उषना जीव रुग निद्रन ४ पविर्वर्द्ध यत् ॥ ४ २ ॥ सन अ. पूज्यो
हास अपाल स्वच्छाय य अक्ष कन्या ग्वय य अंगुलि मि धन असेप गिय मने अः
यान नै गाल न माल ॥ ० ॥ वरुसा रुद मे धुन्य पन दाषान् कि रुर्न ॥ कल ह्यु
का नै ये वरुन पविर्वर्द्ध यत् ॥ ४ ३ ॥ इने जा रुद ख झा कम् काम की ग या
ख झा कम् मव या दो ष ख झा कम् स्वा पू या रु सो रु वम् थे ने प नी यान नै गाल नै

५३

अ. नाश कल अ थु नि सु अ विष्णु स या य म ने अ ॥ ० ॥ न विस्व स द विस्वा स
विस्वा स न व विष्णु स रा ॥ विष्णु सा रु य न स्य न म् लाने व नि रु क र्ने ॥ ४ ४ ॥
विष्णु स म इ या क विस्वा स या य म ने अ विस्वा स रु क य मि ग अ कान धा स सा विष्णु
स या क र्ने रु य पि हा अ रु अ लि (ध रु न प) लि का अ विष्णु अ थ न न विस्वा स रु यान क
॥ ० ॥ न दी ती न ष य रु क्ता ४ या व ना नी नि बा ध या ॥ सु म नी न हि ना ना ज्ञान रु व
नि वि ना य षू ॥ ४ ५ ॥ षु सि सी स ना रु गु सि ना षा धा ल म धू ल म मि सा रु रु म

॥ वा ० ॥

लोमइभ्ररुशथपनीगामम्वाकः नगानेउनीअ॥ ० ॥ यदिहस्ताखर्गपीर्निः
 गीनिगगनकनियगु॥ द्युगमथप्रेभागेवपनारुयानदधर्न॥ ५० ॥ ~~नयिगीगीउयकधाल~~
~~अक्रसेनथमखगानालनमालकृशभालसाइलत्वायधन~~
~~याहायायमिसानसमानवायायथमीगालनमाल॥ ० ॥ नगर्गइष्टविखा~~
 सैजकयाइलविगर्द॥ आन्मनापिगथक्रोधमिगववनकानयगु॥ ५१ ॥ १०
 इस्तयाविष्वास्तसउनेमनउःकलकपगयायमनेउःथमनक्रोधयायमनेउः

मिश्रः ॐ वं वीयायमन धूगियागसाथम धूगन नासक्रयु ॐ ॥ ० ॥ कनयम
 कीनाज्ञान विषयवद्वलीयर्नि ॥ पुनासिनः वृणादुष्टं न सवन्ति सदावध ॥
 ॥ ५१ ॥ कनमसवीद्वक् मणीयावाज्ञानः स्रतिदया लयनवाक्कनः यवदसम
 पुवासयाकक्र वृणयालयसु ॐ ॐ धूगिया सेवायायमन ॐ ॥ ० ॥ कमला
 नासि विस्वाम् कणाय्याया कणावनि ॥ कवाध नासि विस्वाम् निर्द्वि ॥ ४ कद
 सनासि जीविन ॥ ५ ॥ ३ ॥ कर्मणीया केविधसत ३ कसीया के यीनिम ३ मला

॥ वा ० ॥

ददमसम्वायममडा. मरीदवाकसमीनममडा. धमिसियमाल ॥ ० ॥ नासि
सह्यसदाभीन. नास्मिन्नवधलीयनो ॥ मययसहृदनासियनकालभयानहि
॥ ५८ ॥ वयाकगवन्सर्. सत्यमइ. सनीनीययनियके सुविमइ. धमीद.
क्रयाकेहिद निरुमइ. इ ओलयाके. धनस्वामीमइइ. ॥ ० ॥ धीविधोवियु
अग्निधदस्यार्गुनसिथया ४॥ अकनीनेवगकबी. हनस्यवधरस्यन ॥ ५५ ॥
वाक्कनभिष्कडा. वाक्कनडामिडा. निष्कनयडा. रुनसिनिथडा. धमाडामहा

०
१५

दवडाधमडा निष्क २ सयादधून डानममडा डीहमा. अमीगलरुयडा
॥ ० ॥ साकयागरुयलझीदाहिदयागभीगलीगा ॥ यनयगनविद्यक
नकर्यागगुसहिनि ॥ ५७ ॥ साक. ज्ञाया. रयलझा. आदमि. त्यागी. येन
धमिगननदम. अनवासयायममडा वासयानसा अनेकरुयडा ॥ ० ॥
नीमनशुक्रगायानि. तवेकलीवरुगुर्ग ॥ ननावीहिनवद्वि. ४ स्यावमसर्व
४ सैस्वर्गवदेश ॥ ५९ ॥ अङ्गलगवन्सर्गायडा मरुडा. अदीकरवद्विदः

मरुयमइ मिसायावधि. सिनमरुअ. सुखन संस्कृतकायमरु. ५१ अ.
 सक. वसुकधाय ॥ ० ॥ जललमवाग्निमेषवाधिलमसथेवच ॥
 पुनर्वर्धयनेयस्मारुस्मा कृषनकावयगु ॥ ५२ ॥ धनियासष. मियासिषः
 मोगया लम. अगेयासष. लनकमन. लनक साहनीवधययुडा. थगेन
 सषमलनक. रुतकोअगेयमाल ॥ ० ॥ उदग. ४ कलह. कधुर्यन
 मद्यपनस्थिय ॥ निजामेधूनमालस. सवगे. गहिवर्धनी ॥ ५३ ॥

हगाम. वास. वास. काय. लाय. रुललाय. थगान. ल. अल. अन. कन. वास. काम
 कोउउयाय. अल. सिवाय. मी. थग. योगदा. अ. सव. लयान. वधय. उर. यु. डा.
 थगेन. वल. य. नगे. डा ॥ ० ॥ पन. वा. वाय. व. र. व. य. वि. वा. द. य. व. स. व. ॥ यः
 वि. हा. र. गु. व. ल. न. य. ल. ग. ४. य. वि. व. र्ज. य. गु ॥ ५४ ॥ मव. या. म्की. मव. या. ध. नः.
 मव. या. र्ख. गु. व. नि. थ. स. दि. स्था. य. थ. ग. ना. ४. जे. ल. या. द. म. ल. ग. माल ॥ ० ॥
 प. वी. रु. का. र्थ. ही. गा. र्थ. उ. य. रु. पिय. वा. दि. न. ॥ व. र्ज. य. हा. र्थ. नी. मि. र्थ. वि. स. रु. रु. यः

॥ ना ० ॥

यामूर्ख ॥ ७१ ॥ यथैकास्वसनकूक-खरुक्करीदम्-थधिदम्कमिथयाग-
गालगमाल-युसधनसइइगयाथ-याथसपापक उरुक्कवाक ॥ ० ॥
कूदसंवकूव हिव-कुराथीकूनदीगथा ॥ कूडयवकूगकवैवकूयसुति
गसदा ॥ ७२ ॥ महीददसमहीदवापाल-महीदम्कीमहीदमिथ-म
हीददय-महीदनसा-थनिपधिनपनीसनसदानेगालगमाल ॥ ० ॥
उर्वसीयइदिवायन-सुरायदिनिसारुमा ॥ म्पवावीभनकाएवेव-वर्कनीया

७२ ॥ ७३ ॥ उर्वसीधायाम्कल्लेणधायाम्क-गिला-रुमाधायाम्क
एभपावीधायाम्क-मनकाधायाम्कथपनिअयंस्मना-उउरुगंदसीभवयामि
सागालगमाल-युसगयागसाथ-उरुन्यस-इ४खरुस्वयपनरु-न्यस-नवकउ
नीउ ॥ ० ॥ यवकार्यपूविशपूसरुसापिरुलोदय ॥ विपनिषमहादाखा
पविवर्कद्विवरुन ॥ ७४ ॥ ग्वक्कसन-ननानेरुलल-लायदगगुक्का
स-सनकाविल-अक्कयामहाविपनिशयुअथानविवरु-नरुयाअ-दारव

गालगमाल ॥ ० ॥ रुका रुकै समं पथ कार्या कार्यं वडुल्यनी ॥ सदाका
 र्यं संपदहाः रुगव्यं सर्वदा वधे ॥ ४५ ॥ रुक अरु कलें उहिस्रया उकार्य
 अकार्य सउहिस्रया यथे अ २ रुकि निय सदा सर्वका वसं का सर्वसः संपद हगय
 मालः गुमान गय मग अ ३ कृष्णा पाग साग्य यज्ञो ग्य थ ग रुना नी पनी मनः
 विनालया अ ॥ ० ॥ रुगव्यं मकू लीनानी जो वे प व पि की विनी ॥ रुगव्यः
 रुगसं भकू नी रुवा पूर्व पका विनी ॥ ४६ ॥ लाक थं सुना उ ३ उ पनी

३
१४

अ ॥ बाजाया मनष्य अ थ अ थि थि कग रु अ ॥ रुकी रु अ ॥ क्रापा १ रुवा दा अ ॥
 गया क अ ॥ थुनि अ वा व वा न थ य माल ॥ ० ॥ पाद पानी रुयं वा न ४ पद्माः
 नां मि मि ना रुयं ॥ पर्व गानी रुयं व नी ॥ रु रु नी द्वि पदा रुयं ॥ ४७ ॥ सि माया
 रुय रु स ॥ पले खान या रुय ॥ विक्रवा उ ॥ पर्व गया रुय ॥ व रु मल क ॥ यह ॥
 ग्रादीन ॥ द क रु रु या रुय ॥ मनष्य रु रु ॥ ० ॥ मानाय दि वि र्ध द या ग् पि
 ता वि की य गे रुग ॥ बाजा क वा नि वा न्या र्य का भग गारु वि र्ध गि ॥ ४८ ॥

स्यात्प्रियं यथा सामनरुति विखनके धाओसा. ववूनरुतिक. मिय धाओ
 सा. वाज्ञानरुति गुन्याओयाय धालसा. सुतानवाओ. सुनानेमवाओ. स
 सोनयाओ धावरुल ॥ ० ॥ यगवागा स्वयं वीर ४ समन्ती भूपराहित
 ॥ गणहर्त्तिक विष्या मिय गोवरात वरुय ॥ ३६ ॥ गुगुदममवाजाम
 की. पूराहित. थपनी थमन खवचा रुल. भून मि. मि. सन. कयाय. गवः
 क्रसनवराया. यूओ. ओयकने रुय रुल ॥ ० ॥ विधागालिखिगाय

३
 १५

स्य. सुतागा रुवमा लिका. ॥ देवापिन हि सुक्राति. सीलिखी लिखि उप
 न ॥ १० ॥ गवक्र स्वाकेपालस. वि धागने वीर्य हउ गुरवत. देवने क्र
 यममरु. उकी सगनाओ धायं मरु. थन न. नो यो ओहक ग्रे वस्ये नैरु यूओ
 देव रुले पदे मया. थमन सेवाया हा क्र ॥ ० ॥ कर्मना हि पु धानन
 वृद्धिना किं प्रयाजन ॥ पाषाणस्य ॥ कृता वृद्धि रु नदवी ए विषयि ॥ ११ ॥
 थसंसा न ससुख इ ४ ख. सुलि रु इ हि रु. सक गी कर्म या पु रावन इरुओ

॥ वा ० ॥

वृद्धिनक्यायनाथ धालसा सिं. ला हा गया. द्वृद्धि. अथनेदवहर्लः कानः
धालसा. कर्मिया निमिहीनरुसा ॥ ० ॥ कर्मनपिपुष. नानि. सनि
कृष्ट. गुरुगह ॥ वसिष्ठदहलग्न पिथानकी ३४ खरागिनी ॥ १२ ॥ वभि
एषा पिठक. न. वियागु लग्नस. लीहगुदीनस. वियानभीताया ३४ खरवहर्लः
कानधालसाथ अकर्मियापरावन. पूर्वजन्मस. थमनभवया. ३४ ख वि
यायाहलहर्लः ॥ ० ॥ तानकलेहवतसि. शीषा. पिगुणगीवक्रगु ॥ १३

७
१६

अपि दाषगायानि वरुहग विधागवी ॥ १३ ॥ तउ धदक. कर्मइक
लायइक. अपनिसेन. दाषयागसा. गुणरया ३३ ३४ विधागानलिकः
कान. अनेकपुका नल गुलीया कसी दाषगया ३३. अपरुमलाय ३३ ॥ ० ॥
किंकरी गिनन ४ प्राह ४ पृथमान ४ स्व कर्म रि ४ ॥ प्रायनेव मनष्या ली वृद्धि
कर्मनिसा विली ॥ १४ ॥ कानो मनष्या न कृवा अ. कर्ममदनडा ३३ थः
३२ कर्मनि. कयाथरुय ३३ कयापीनिस्य मनष्यायाहलसा भवयाहलः

सौ. वधि इलंक मया लिखी ॥ ० ॥ हस्त सख्यन दान सख्यं कल सख्यं
 खनं ॥ १ ॥ गतं वरुषनं कल सख्यं ले ४ किं पु याऊन ॥ १५ ॥ लाहा गति सांप्रत्यः
 याय. कलपन यागि सा. सख्य खझाय. द. सप्रत यागि सा धर्म भक्तु याखदनेः
 दीवता गि साया क्यु याऊन ॥ ० ॥ व विरुष न की. भी. कुमाना पयख व
 न ॥ खव हिरुष न पं सांपनी. भी. खपनं कया ॥ १७ ॥ मि साया गि सा व वि
 उ. सि साया गि सा रुल रुव. मिऊन ग सति सा. थ ४१ २ व्यापान. नाय कया स्वामि

 ७
११

यागि सा. कया. ॥ ० ॥ नरुष खप न व की. नावी भी. खप न पणि ॥ ५ ॥ धिवा
 खप न वाजा सील सर्व खप न ॥ ११ ॥ नरुष यागि सा वदमा. श्री. का गि
 यागि सा. थ ४१ २ यव ख. धिधि वी यागि सा. वाजा. द कला कया गि सा. सील खः
 खव रुल ॥ ० ॥ महा ना व विरुष न तनी वा मा. त मरु रुम ॥ क सावी व व
 न घाटे. का विय सख वरुष न ॥ १७ ॥ न ४१ ध द क न याग सा. मरी द सा.
 री द. वि कि ध न क न याग सा. मान्य याग सा री द याग सा मरी द. गा थ धा ल.

॥ १६ ॥

॥ वा ७ ॥

सा. श्रीकृष्णयासनयादान. कालीनागया. स्वरासाकथं ॥ ० ॥ शुवि
हृमिगनगायं शुविनावीपनिवगा ॥ शुविः क्रमकमनाडा. संगी. खा. वा. क्रम
शुवि ॥ १६ ॥ हृमी. स. ह्या. कर्त्तृ. ख. शुवि. पु. निवगा. इ. अ. मि. सा. शुवि. क्र. मा. ध.
वी. ना. गा. सु. वि. संगी. य. क्र. न. सु. वि. थ. न. उ. ल. गा. इ. स. सा. अ. शु. वी. ध. य. ॥ ० ॥ शुवि ॥ १६
हृमि. लि. न. गा. यं. य. ग. ल. पान. वि. य. न. ॥ ल. प. स. न. प. वि. य. क. वा. न. ल. न. शु. वि. ८
शु. वि. ८ ॥ ६० ॥ गु. गु. थ. स. अ. दी. क. र्त्तृ. ख. स. ह. वा. इ. उ. गु. ल. ख. सु. वि. अ. दी. क.

ल. प. ह्या. क. गु. शु. वि. प. र्ब. न. सु. वि. सि. मा. वा. स. शु. वि. गी. र्थ. स. म. ड. अ. गी. सु. वी. ध. य.
॥ ० ॥ ए. म. ना. शु. ध. ग. की. र्त्तृ. ना. सु. मा. सी. न. सु. ध. ग. ॥ न. र. सा. सु. ध. ग. ना. मी.
न. दी. वा. ग. न. सु. ध. ग. ॥ ६१ ॥ न. ली. न. क. र्त्तृ. स. शु. वि. पा. द. न. व. या. न. सि. र. ल. सु. वि.
मा. सी. क. र्त्तृ. अ. मि. सा. शु. वि. अ. गी. व. ग. न. ह्या. क. गी. र्थ. सु. वी. ध. य. ॥ ० ॥ पि. तु. व.
क. ८. प. र्ब. द. या. त्मा. उ. र्द. या. त्म. रा. र्त्तृ. न. ॥ ग. व. ष. वा. त्म. स. म. द. या. त्म. य. म. व. क. र्त्तृ. वी.
ए. वे. न. ॥ ६२ ॥ व. व. न. र. ल. सी. क. र्त्तृ. थ. अ. स. स्या. हि. वि. य. अ. मा. म. न. थ. अ. थ.

॥ वा ० ॥

गया पुमान्विष्णुः सनरुतर्सा धमन उरिः उपपिः गुर्विलं धनः सिया
ॐ धमध धमनं कर्म नू यायमा ल ॥ ० ॥ क पित्ता कीलया लन वा
कली गमनन व ॥ वेदा कृत विवा व न स स डान न व कं वरु ॥ ६३ ॥
सिय ॐ क सा या इ र गा ह क वा कली ॐ ना रु या न वे द ॥ क विवा व या क कः
मुद न र क स डानी ॐ ॥ ० ॥ मुडी ह र्के न यो रु क मा स म क नि व न र
॥ जी वे मा ना ए व क्क ड म ग खान च ज्ञाय न ॥ ६४ ॥ मुडी नी या ला हा

म त न वि र्क क्ति थ क नै रु व ॐ क वा क ल ध गु रु न म र्म मु ड रु य ॐ वि
॥ स न र ॥ वि वा क म रु य ॐ रु ला ॥ ० ॥ क ल ही ना रु या ना नी प रु ही
न रु ला य त ॥ व रु हा न म र्म का रं वि था ही र्म धि रु ध म ॥ ६५ ॥ इ इ व ह नः
आ न सा ध ल ही न गु रु रु न ॐ स ग ही न गु रि सा वि था ही न क वा क ल ध नः
य नि अध म ध य म ल रु न ध य ॥ ० ॥ सा रु क स लि न प र्म ॥ ६६ ॥ ल ख स प र्म
ख गा धि रु ॥ ६७ ॥ न य सा रु की व नै न स य ॥ ६८ ॥ ल ख स प र्म

स्वातस्वराशुलीकी धिमरु ओझा वाझलसीराशुली नयनरुक्मि वज्राचार्यरुः
 सोराशुली भूवमाझसिपाहूया घालनसीराशुली ॥ ० ॥ यरुः सर्वववि
 प्रालीमूर्खनीकलहासर्व ॥ पनूषासर्ववज्रावीर्षीपनूषाव रुतासर्व ॥ ६० ॥
 वाझनयनीऊरुयायस वसहूला मूर्खपतिल्यायखायस वसहूयुओ मिसाय
 तिसरालहाकेडवस पनूषागीया घावस मगीवसहूली ॥ ० ॥ अग्निहृष्टः
 स्ववदनीलवहिरुलीगर्ग ॥ वगियुगुरुलानानी दलरुकरुलीधर्त ॥ ६६ ॥

३
६०

वदसयायारुल ऊरुयाय साधुसयायारुल भीलस्वरावरीनके कलागकाया
 वल्ले कामकीजाया कायमूवादयके धनदयकायारुल दानरीगयाय ॥
 ॥ ० ॥ ॥ मिदरुतिगायन भुर्यादहनिवसिहि ॥ वाजादहतिदण्डनग
 पसा वाझनादह ॥ ६६ ॥ अग्निन गोपनदाहयाक सूर्यागतेरुन दाहयाक
 वाझानदण्ड याकाओ दाहयाक वाझनयागपनदाहयाक ॥ ० ॥ सनसा
 कीमनीमान्दकवर्णमधिगंदवि ॥ गरुन्यादककर्वकु गुल्यैराम मान्दरुल

॥ ५० ॥

॥ ५० ॥ गुला. पलीला. गीक गुला. सिकयाला. बालाप विनिन. हिया गुहवि.
बालापवीनीन. आवयगु. धातिसायाला धा उरि. धाय. धातन गोलन मा ल ॥ ॥

॥ ० ॥ नहत्यान्ममिदियागु. दनमाननहृस्यग ॥ ५४ ॥ सैका ४ पवि स्यरु ३
महमास्यैरुधिरिच ॥ ६ ॥ ॥ हे महा बाऊ. रुधिरिच. धमनसायमइ. स्यागके ६०
मइ. स्याकागुस्यैमइ. धातिलगाउ. लातयगउ. अधवागोलन रुगसा श्रीगीप
धलाकधर्क ॥ ० ॥ नमास्यैरुगुनं धातनमयनवमधुन ॥ ५५ ॥ हिनेवरु.

गानीनिर्वृतिमुमहारुल ॥ ६२ ॥ ॥ लातयाया. दोषमइ. धागदार्थादोषम.
इ. कामकी जायादाने दोषमइ. अनधालसा. सैसावया समानदया उवाहयु. गा.
सगेरुगसा. श्रीगीप धलाक रुल ॥ ० ॥ ॥ वउ४ सागनपर्यन्तात्. यादयाए
धिबीमिमी ॥ नखादवापिगामास्युल्यमवदिइर्व ॥ ६३ ॥ ॥ वउ४ सैतवउ
४ सागनपर्यन्त. पिथीदानवियाउ. लावमुकमनयाउ उरि रुल साक रु
ल. धातहानीयडिगयतीसनसियाउ. लावमुकगोलनमाल ॥ ० ॥

ममताय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥